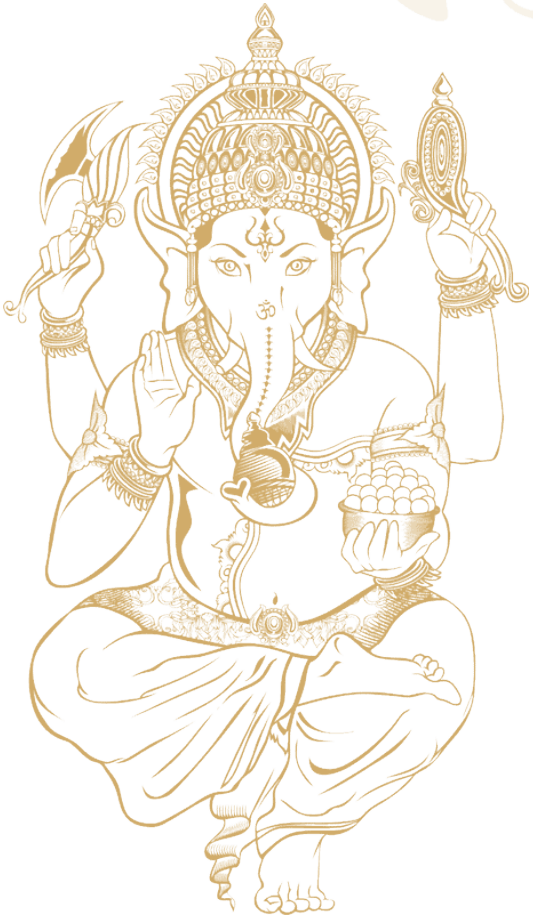

Shalin

09 Sep 1993

12:57 AM

Lucknow

Model: web-freekundliweb

Order No: 121186803

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**8-09/09/1993**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**00:57:00 घंटे**
इष्ट	47:50:24 घटी
स्थान	**Lucknow**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:50:00 उत्तर
रेखांश	80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:50:36 घंटे
वेलान्तर	00:02:16 घंटे
साम्पातिक काल	00:02:03 घंटे
सूर्योदय	05:48:50 घंटे
सूर्यास्त	18:18:54 घंटे
दिनमान	12:30:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	22:22:21 सिंह
लग्न के अंश	18:03:37 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वज्र
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीणा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:03:37	317:47:36	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			सिंह	22:22:21	00:58:17	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	स्वराशि
चंद्र			वृष	17:05:23	12:26:00	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			कन्या	24:03:50	00:39:22	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
बुध		अ	कन्या	01:38:05	01:45:05	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
गुरु			कन्या	22:53:58	00:12:01	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	20:44:44	01:12:11	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	01:44:03	00:04:05	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु			वृश्चि	12:50:51	00:00:06	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	शत्रु राशि
केतु			वृष	12:50:51	00:00:06	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	सम राशि
हर्ष	व		धनु	24:35:57	00:00:55	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप	व		धनु	24:43:33	00:00:41	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			तुला	29:19:50	00:01:13	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
दशम भाव			मीन	06:47:21	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:24

लग्न-चलित

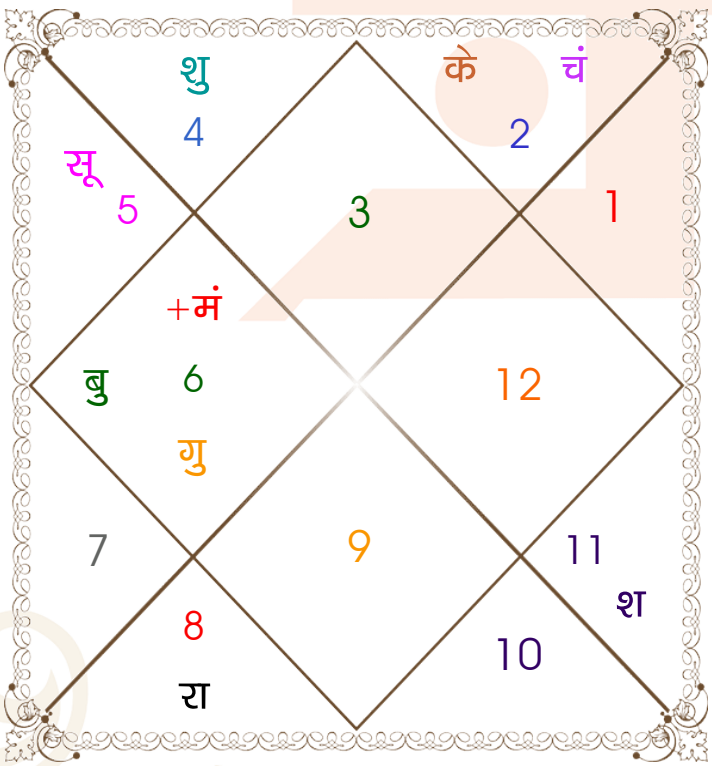

चन्द्र कुंडली

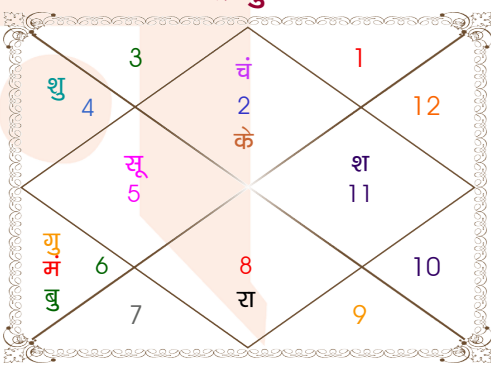

नवमांश कुंडली

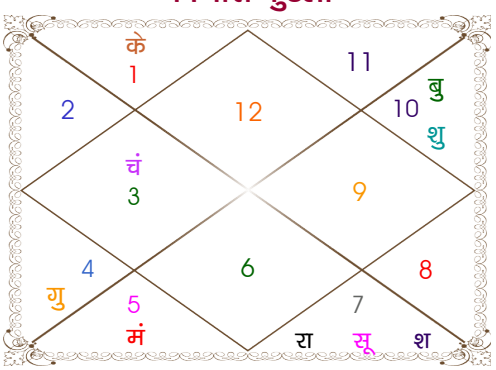

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 8 मास 5 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
09/09/1993		16/05/1998		16/05/2005		16/05/2023		16/05/2039	
16/05/1998		16/05/2005		16/05/2023		16/05/2039		16/05/2058	
	00/00/0000	मंगल	12/10/1998	राहु	27/01/2008	गुरु	03/07/2025	शनि	19/05/2042
	00/00/0000	राहु	31/10/1999	गुरु	21/06/2010	शनि	15/01/2028	बुध	26/01/2045
	00/00/0000	गुरु	05/10/2000	शनि	27/04/2013	बुध	22/04/2030	केतु	07/03/2046
	09/09/1993	शनि	14/11/2001	बुध	15/11/2015	केतु	28/03/2031	शुक्र	06/05/2049
शनि	16/03/1994	बुध	11/11/2002	केतु	02/12/2016	शुक्र	26/11/2033	सूर्य	18/04/2050
बुध	15/08/1995	केतु	10/04/2003	शुक्र	03/12/2019	सूर्य	15/09/2034	चंद्र	18/11/2051
केतु	16/03/1996	शुक्र	09/06/2004	सूर्य	27/10/2020	चंद्र	15/01/2036	मंगल	27/12/2052
शुक्र	14/11/1997	सूर्य	15/10/2004	चंद्र	28/04/2022	मंगल	21/12/2036	राहु	03/11/2055
सूर्य	16/05/1998	चंद्र	16/05/2005	मंगल	16/05/2023	राहु	16/05/2039	गुरु	16/05/2058

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
16/05/2058		16/05/2075		16/05/2082		17/05/2102		16/05/2108	
16/05/2075		16/05/2082		17/05/2102		16/05/2108		00/00/0000	
बुध	12/10/2060	केतु	12/10/2075	शुक्र	14/09/2085	सूर्य	03/09/2102	चंद्र	17/03/2109
केतु	09/10/2061	शुक्र	11/12/2076	सूर्य	15/09/2086	चंद्र	05/03/2103	मंगल	16/10/2109
शुक्र	09/08/2064	सूर्य	18/04/2077	चंद्र	15/05/2088	मंगल	11/07/2103	राहु	17/04/2111
सूर्य	15/06/2065	चंद्र	17/11/2077	मंगल	16/07/2089	राहु	04/06/2104	गुरु	16/08/2112
चंद्र	15/11/2066	मंगल	15/04/2078	राहु	15/07/2092	गुरु	23/03/2105	शनि	10/09/2113
मंगल	12/11/2067	राहु	04/05/2079	गुरु	16/03/2095	शनि	05/03/2106		00/00/0000
राहु	31/05/2070	गुरु	09/04/2080	शनि	16/05/2098	बुध	09/01/2107		00/00/0000
गुरु	05/09/2072	शनि	19/05/2081	बुध	17/03/2101	केतु	17/05/2107		00/00/0000
शनि	16/05/2075	बुध	16/05/2082	केतु	17/05/2102	शुक्र	16/05/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 7 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।